

पंजाब टैसरी 13/12/2024



जी.एम.एन. कॉलेज की एन.एस.एस. इकाइयों द्वारा फिट इंडिया मूवमेंट थीम पर आधारित शिविर में भाग लेते विद्यार्थी। (देवदत्त)

## स्वदेशी खेल लोगों की परंपराओं एवं कहानियों को संरक्षित करते हैं : डा. रोहित दत्त

अम्बाला, 12 दिसम्बर (बलराम) : छावनी स्थित जी.एम.एन. कॉलेज की एन.एस.एस. इकाइयों ने फिट इंडिया मूवमेंट थीम पर वीरवार को आयोजित शिविर में स्वदेशी खेलों के अंतर्गत पिटू गतिविधि का आयोजन किया।

शिविर का उद्घाटन करते हुए कॉलेज के प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने कई उदाहरणों के साथ स्वदेशी खेलों के महत्व को समझाया। उन्होंने कहा कि स्वदेशी खेल किसी समुदाय की संस्कृति एवं विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं और ये लोगों की परंपराओं एवं कहानियों को संरक्षित करते हैं। ये खेल लोगों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने में भी मदद कर सकते हैं। स्वदेशी खेल बच्चों को उनके शारीरिक कौशल, भाषा और गणित कौशल विकसित करने में मदद कर सकते हैं।

डा. सरोज ने बताया कि ये खेल शिक्षार्थियों को आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच कौशल विकसित करने और पर्यावरण के बारे में सकारात्मक होने में भी मदद कर सकते हैं। स्वदेशी खेल लोगों को सामाजिक बनाने और एक साथ काम करना सीखने का एक

तरीका है। वे लोगों को हार को स्वीकार करना और जीत में गरिमा दिखाना सीखने में भी मदद कर सकते हैं। स्वास्थ्य और फिटनेस के क्षेत्र में स्वदेशी खेल लोगों को उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं।

डा. अनीश ने बताया कि ये खेल लोगों को स्वस्थ और फिट रहने में भी मदद कर सकते हैं। स्वदेशी खेल लोगों को पर्यावरण के अनुकूल रहना सीखने में मदद कर सकते हैं। स्वदेशी खेल समाज की सांस्कृतिक विविधता का प्रतीक हो सकते हैं। ये सद्भावना, एकजुटता और एकता जैसे मूल्यों को भी व्यक्त कर सकते हैं।

स्वदेशी खेल स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों का हिस्सा हैं, जो प्रत्येक समुदाय या संस्कृति के लिए अद्वितीय हैं। इसके लिए अक्सर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विनियमित नियम नहीं होते हैं और स्थानीय आयोजक स्थानीय प्रतिभागियों के रीति-रिवाजों के आधार पर नियम निर्धारित करते हैं। इस शिविर में लगभग 100 एन.एस.एस. स्वयंसेवकों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।